अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना,
नई दिल्ली
एवं
महात्मा गांधी अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय,
वर्धा, महाराष्ट्र

के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित

अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

दक्षिण एवं दक्षिण पूर्व एशिया में भारतीय संस्कृति एवं विरासत

फाल्गुन शुक्ल नवमी-दशमी, विक्रमी 2074, तद्नुसार 24-25 फरवरी 2018

प्रथम परिपत्र

आयोजन स्थल :

महात्मा गांधी अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र

दक्षिण एवं दक्षिण पूर्व एशियाई देशों से भारत का सम्बन्ध अत्यधिक निकट का रहा है। इस क्षेत्र में भारत की बहुआयामी उपस्थिति ई॰पू॰ 200 से ही प्रारंभ हो गई थी। यहाँ पौराणिक धर्म व बौद्ध धर्म का एक अद्‌भुत सम्मिश्रण विकसित हुआ, जिसका उत्कर्ष कम्बोडिया के अंगकोरवाट और बेयोन में तथा जावा में बोरोबुदूर स्तूप व प्रमनन मन्दिर में देखने को मिलता है। बर्मा (म्यानमार), थाईलैण्ड, इंडोनेशिया, मलय प्रायद्वीप (मलेशिया), कम्बोडिया, भूटान, श्रीलंका, नेपाल, मालदीव व वियतनाम आदि के साथ भारत का व्यापारिक, सांस्कृतिक, सामाजिक एवं राजनीतिक सम्बन्ध स्थापित हुआ।

उपर्युक्त क्षेत्र में भारतीय सांस्कृतिक व्याप्ति हेतु मुख्य अभिकरणों के रूप में समुद्री व्यापारिक गतिविधि, हिन्दू सन्तों-मनीषियों व बौद्ध भिक्षुओं की भूमिका, समाज, धर्म, साहित्य व कला का प्रभाव आदि परिगणित किए जा सकते हैं। यह अत्यन्त महत्त्वपूर्ण तथ्य है कि भारतीय संस्कृति के प्रसार की यह प्रक्रिया सैन्य-बल द्वारा नहीं बल्कि हिन्दू मनीषियों व बौद्ध भिक्षुओं द्वारा सम्पन्न हुई। इस क्रम में भारतीय संस्कृति की अनेक विशेषताएं दक्षिण व दक्षिण पूर्व एशिया में समाविष्ट हो गईं तथा यहाँ के लोगों के आध्यात्मिक व नैतिक उत्कर्ष का मार्ग प्रशस्त हुआ।

वस्तुतः इस अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन का मूल उद्देश्य दक्षिण एवं दक्षिण पूर्व एशिया के मानवतावादी आदर्शों, राजनीतिक मूल्यों, कला, संगीत, दर्शन व संस्कृति के साथ भारत के सहस्राब्दियों पुराने सांस्कृतिक व ऐतिहासिक सम्पर्कों का सम्यक् अन्वेषण करना है, ताकि नवीन शोध व तथ्यों के आलोक में इस क्षेत्र पर भारत के सांस्कृतिक प्रसार की समुचित व्याख्या की जा सके। साथ ही इस क्षेत्र में भारतीय विरासत की सम्यक् गवेषणा भी लक्षित है।

दक्षिण एवं दक्षिण पूर्व एशिया के सन्दर्भ में अधोलिखित उप-विषय, विद्वत्-विमर्श एवं शोध-पत्र हेतु प्रस्तावित हैं -

(दक्षिण एवं दक्षिण पूर्व एशिया में.....)

- भारतीय लोक परम्परा
- भारतीय कला
  (क) दृश्य कला
  (ख) प्रदर्शनकारी कला
- भारतीय स्थापत्य एवं विरासत
- भारतीय दर्शन
- भारतीय आर्थिक प्रभाव/व्यापार एवं वाणिज्य
- भारतीय सामुद्रिक गतिविधियाँ
- भारतीय प्रवासी/समुदाय
- भारतीय धर्म एवं अध्यात्म
- भारतीय नीति एवं जीवन-मूल्य
- भारतीय प्रज्ञा
- भारतीय साहित्य
- राजत्त्व एवं प्रशासन की भारतीय संकल्पना

शोध-पत्र :

संगोष्ठी में प्रतिभाग करने वाले विद्वान शोधार्थियों से अपेक्षित है कि वे उपर्युक्त उप-विषयों में से किसी एक पर अपना शोध-पत्र प्रेषित करें। शोध-पत्र का शीर्षक, मुख्य प्रतिपाद्य, शोध-प्रविधि

एवं निष्कर्ष स्पष्टत: उल्लिखित होना चाहिए। पूर्ण शोध-पत्र अधिकतम 3500 शब्दों में व शोध-सारांश अधिकतम 250 शब्दों में, हिन्दी व संस्कृत हेतु क्रुतिदेव 010 फॉन्ट के आकार 14 तथा अंग्रेजी हेतु टाइम्स न्यू रोमन फॉन्ट के आकार 12 में ई-मेल द्वारा प्रेषित किया जाना श्रेयस्कर होगा।

कार्यवृत्त :

चयनित उत्कृष्ट व मौलिक शोध-पत्र ग्रन्थाकार रूप में प्रकाशित होगा, जिसे सम्मेलन के समय ही लोकार्पित किया जाना प्रस्तावित है।

पंजीकरण :

भारतीय प्रतिभागी :

प्राध्यापक	रू॰ 1500/-
शोधार्थी/विद्यार्थी	रू॰ 1000/-

विदेशी प्रतिभागी :

प्राध्यापक	यू॰एस॰ $ 200
शोधार्थी/विद्यार्थी	यू॰एस॰ $ 100

महत्त्वपूर्ण तिथियाँ :

शोध-सारांश प्रेषित करने हेतु अंतिम तिथि	15 दिसम्बर 2017
पूर्ण शोध-पत्र प्रेषित करने हेतु अंतिम तिथि	31 दिसम्बर 2017

अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना :

'अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना' इतिहास के क्षेत्र में कार्यरत विद्वज्जनों का एक राष्ट्रव्यापी संगठन है जो इतिहास, संस्कृति, परम्परा आदि क्षेत्रों में प्रामाणिक, तथ्यपरक तथा सर्वांगपूर्ण इतिहास-लेखन तथा प्रकाशन आदि की दिशा में कार्यरत है। देश एवं विदेशों में रह रहे इतिहास एवं पुरातत्त्व के विद्वान्, विश्वविद्यालयों में कार्यरत प्राध्यापक, अनुसन्धान-केन्द्रों के संचालक, भूगोल, खगोल, भौतिकशास्त्रादि अनेक क्षेत्रों के विद्वान् तथा वैज्ञानिक एवं इतिहास में रूचि रखने वाले विद्वान् इस कार्य से जुड़े हुए हैं। इसके साथ ही योजना ने वर्षों से सतत अभियान चलाकर भारतीय इतिहास में व्याप्त अनेक भयंकर विसंगतियों व त्रुटियों की ओर विश्व का ध्यान आकृष्ट करने के साथ-साथ इतिहास के उन पृष्ठों को भी उद्घाटित करने का प्रयास किया है जो अब तक अज्ञात रहे थे या जिनके सामने आने में अनेक अवरोध उत्पन्न किए जा रहे थे। योजना से जुड़े विद्वान् इतिहासकारों द्वारा उद्घाटित तथ्य, सत्य की कसौटी पर कसे होने के कारण मील के पत्थर सिद्ध हुए हैं और योजना के वैज्ञानिक दृष्टिकोण के कारण इन्हें वैश्विक स्तर पर मान्यता मिली है। विगत कुछ दशकों में भारतीय और विश्व-इतिहास से जुड़े अनेक भ्रामक तथ्यों के निराकरण में योजना को पर्याप्त सफलता प्राप्त हुई है और अनेक में योजना सफलता की ओर अग्रसर है।

वर्धा :

महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र में स्थित वर्धा नगर का नामकरण वर्धा नदी पर आधृत है जो इस जिले के उत्तरी, पश्चिमी व दक्षिणी सीमा का निर्धारण करती है। वर्धा परिक्षेत्र में मगन संग्रहालय, गीताई मन्दिर, विश्व शांति स्तूप, सेवाग्राम आश्रम, परमधाम आश्रम, गणपति मन्दिर आदि प्रमुख दर्शनीय स्थल अवस्थित हैं।

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन रूपी इस ज्ञान यज्ञ में आप सभी विद्वत्जनों का सक्रिय प्रतिभाग एवं सान्निध्य सादर प्रार्थित है।

भवदीय :

प्रो॰ एस॰पी॰ बंसल
spbansal_mtahpu@rediffmail.com

डॉ॰ ओम जी उपाध्याय
9452735221, 9559988688
omjee25@gmail.com

डॉ॰ आनन्द शंकर सिंह
9415324671
isdc.ass@gmail.com

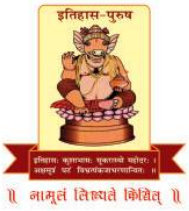

Akhil Bharatiya Itihas Sankalan Yojana,

New Delhi

&

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya,

Wardha, Maharashtra

Second Circular

International Conference

on

Indian Culture and Heritage in South and South – east Asia

Phalgun Shukla Navami – Dashami, Samvat 2074, i.e

24th –25th February, 2018

Venue:

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha, Maharashtra

The Indian Cultural relations with South and South East Asian countries are one of the most fascinating areas of history. This interaction, which probably proceeds in the beginning of the Christian era, has left an indelible impression on almost every aspect of life in a number of countries of the region. India had a unique story about its cultural influence in the Southeast Asia region without hegemony and conquest.There is probably no other example in the history of mankind of such fertilization between different cultures and people for over two millennia without any involvement of military force. Southeast Asia, a sub-region of Asia, consists of the countries that are geographically south of China, east of India, west of New Guinea and north of Australia, which includes Brunei Darussalam, Cambodia, East Timor, Indonesia, Laos, Malaysia, Myanmar (Burma), Philippines, Singapore, Thailand, and Vietnam.These countries share historical, political, economic, cultural and social ties. Nonetheless, the region is far from being homogeneous and encompassing with different political institutions, diverse languages and cultures. Because of the geostrategic location and its emerging economy, the region has become greater interest to its neighboring countries as well as the Western democracies.

This seminar will focus on the essence of Hinduism, Buddhism and the localization of Indian culture and living traditions in South and Southeast Asia. It also offers an introduction to the classical cultures of South and Southeast Asia, in particular to those aspects that have linked both regions through the ages. We focus on Hinduism and Buddhism as cultural phenomena and we discuss the role of vast Indian classical literature and the great epics Mahabharata and Ramayana in offering a narrative backbone for heritage and tradition. The seminar will also discuss the Indian influence on the visual heritage in the form of sculptures, paintings and architecture as region-specific manifestations of the common cultural tradition. The rich manuscript tradition of South and Southeast Asia, which illustrates the use of scripts with a common origin and formats familiar to both regions, also exemplifies the cultural bond between the two regions, as we shall see. Finally we will learn about the lively trade in particular luxury textiles between India and Southeast Asia, which presents a maritime expression of the long-lived links between India and countries in Southeast

In order to facilitate a healthy discussion, the following themes with reference to **South and Southeast Asia** are being marked for your convenience -

- Indian folk tradition
- Indian Art
- (a) Visual Art
- (b) Performing Art
- Indian Architecture and Heritage
- Indian Philosophy
- Indian Economic Influence/Trade and Commerce
- Indian Maritime Activities
- Indian Diaspora/Communities
- Indian Religion and spirituality
- Indian Ethics and Values
- Indian Wisdom
- Indian Literature
- Indian concept of Kingship and Administration

Research Papers :

The Scholars participating in the conference are requested to submit their research papers on anyone of the themes mentioned above. It should clearly mention the title, central themes, methodology employed and the conclusion reached at. The content of the paper, not more than 3500 words for full Length paper and 250 words for abstracts, should be typed in kruti dev 010, font size 14, for Hindi and Sanskrit & Times New Roman, font size 12, for English. It should be sent in MS word attachment only by e-mail.

Proceedings :

Proceedings of the conference containing the outstanding and quality research papers will be published in the form of a book which will be released in the conference.

Registration :

Indian Delegates

Faculty Members	Rs. 1500
Research Scholars & Students	Rs. 1000

International Delegates

Faculty Members	US $ 200
Research Scholars & Students	US $ 100

Important Dates :

Last date for submission of Abstracts	15th December 2017
Confirmation of Abstracts	20th December 2017
Last date for Submission of full length papers	**31st December 2017**

About Wardha :

Wardha derives its nomenclature from Wardha river which flows at the north, west and south boundaries of district. Magan Sangrahalaya (Museum), Gitai Mandir, Vishwa Shanti Stupa, Sevagram Ashram, Paramdham Ashram, Kezar Ganpati temple etc. are the places of interest nearby.

We solicit your active participation, guidance and fruitful deliberation in the seminar.

Contact :

Prof. S.P Bansal
Email : Spbansal_mtahpu@rediffmail.com

Prof. B.Labh
Email : baidyanath14@gmail.com

Dr. Om Jee Upadhyay
Mob. 9452735221, 9559988688
Email : omjee25@gmail.com

Dr. Anand Shanker Singh
Mob. 9415324671
Email : isdc.ass@gmail.com